भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 2239**

दिनांक 12 मई, 2016 को उत्‍तर के लिए

**महिला ई-हाट**

**2239. श्री डी॰ कुपेन्द्र रेड्डीः**

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में महिला ई-हाट वैबसाईट आरंभ की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या-क्या उद्देश्य हैं;

(ग) क्या यह बिचैलियों से बचने में महिला उद्यमियों को सक्षम बनायेगा; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में महिलाओं में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**श्रीमती मेनका संजय गांधी महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) : जी, हां। महिला ई-हाट वेबसाइट माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री द्वारा 07 मार्च, 2016 को नई दिल्‍ली में शुरू की गई थी ।

(ख) : महिला ई-हाट महिला उद्यमियों की महत्‍वकांक्षाओं और जरूरतों को पूरा करने की एक पहल है । यह विपणन प्‍लेटफार्म प्रदान करेगी और महिला उद्यमियों/स्‍व-सहायता दलों/गैर-सरकारी संगठनों द्वारा बनाए गए/निर्मित/बिक्री किए गए उत्‍पादों को प्रदर्शित करने के अलावा उनकी सृजनात्‍मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाली सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगी ।

महिला ई-हाट के विजन, मिशन और लक्ष्‍य हैं:

**विज़न :** महिलाओं को सतत उपजीविका और सहायता प्रदान करके महिला उद्यमियों का सशक्‍तीकरण करना एवं अर्थव्‍यवस्‍था में उनके वित्‍तीय समावेशन को सुदृढ़ करना ।

**मिशन :** महिला उद्यमियों को खरीददारों को सीधे बिक्री करने के लिए वेब आधारित विपणन प्‍लेटफार्म उपलब्‍ध करा कर उत्‍प्रेरक के रूप में कार्य करना ।

**लक्ष्‍य :** ऑनलाइन विपणन प्‍लेटफार्म के माध्‍यम से ‘मेक इन इण्‍डिया’ का समर्थन करना ।

(ग) : ऑनलाइन विपणन प्‍लेटफार्म विक्रेताओं के संपर्क नम्‍बर, पता के साथ-साथ उनके उत्‍पाद/सेवाओं के अलावा मूल लागत (परिवहन, पैकेजिंग आदि को छोड़कर) भी प्रदर्शित करता है । यह ऑनलाइन विपणन प्‍लेटफार्म विक्रेता एवं क्रेता के बीच सीधा संपर्क सुलभ बनाता है ।

(घ) : सभी राज्‍य सरकारों के महिला एवं बाल विकास विभागों से विभिन्‍न स्‍कीमों के लाभार्थियों के बीच महिला ई-हाट को लोकप्रिय बनाने के लिए संपर्क किया गया ।

 महिला ई-हाट लिंक को उनकी वैबसाइट पर प्रदर्शित करने के लिए राज्‍य महिला एवं बाल विकास सचिवों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं राष्‍ट्रीयकृत बैंकों, कापार्ट, हथकरघा आयुक्‍तों को पत्र भेजे गए ।

 आईआरसीटीसी एवं MyGov.in से भी महिला ई-हाट को लोगों में लोकप्रिय बनाने के लिए उनके पोर्टल पर महिला ई-हाट का लिंक देने के लिए संपर्क किया गया है ।

 विक्रेताओं/नए विक्रेताओं के साथ जिन्‍होंने देश में पोर्टल से जुड़ने की रूचि दर्शाई है, कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बनाई गई है ।

 29 मार्च, 2016 को देशभर के भागीदार संगठनों/गैर-सरकारी संगठनों/स्‍वयं सहायता दलों/महिला उद्यमियों को पोर्टल के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करने के लिए नई दिल्‍ली में पहली जागरुकता कार्यशाला आयोजित की गई ।

 महिला ई-हाट से संबंधित सूचना महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और आरएमके की वैबसाइट पर भी दर्शायी गई है ।

\*\*\*\*\*